Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 12-12-2006
Participants : Singh Kunwar Rewati Raman,Acharia Shri Basudeb

an>

Title: Problems being faced by the employees of Indian Telephone Industries in the Country.

श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद):अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन और सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विाय की ओर आकर्ति करना चाहता हूँ। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू जी ने देश में पब्लिक सेक्टर का जो पहला उपक्रम स्थापित किया था, वह इण्डियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज था, जिसकी शुरूआत बंगलौर में की गयी। धीरे-धीरे उसकी छः शाखाएं पूरे देश में खोली गयीं - एक शाखा रायबरेली में, एक इलाहाबाद में, एक मनकापुर में, एक पालघाट में और एक शाखा श्रीनगर में खोली गयी। लेकिन जैसा कि मैंने उस दिन कहा था, जो काम एनडीए सरकार कर रही थी, वही काम अब यूपीए सरकार भी कर रही है। इन छः फैक्टरीज में लगभग 14,000 मजदूर काम करते हैं, लेकिन दुख के साथ कहना पड़ता है कि देश में संचार के क्षेत्र में क्रान्ति लाने वाली इण्डियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज के कर्मचारियों को कई महीनों से न तो काम मिल रहा है और न ही उनको तनख्वाह मिल रही है।

मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि उनको तत्काल काम दिया जाए और उनकी तनख्वाह भी दी जाए। माननीय सोनिया गांधी जी यहां बैठी हैं, जो यूपीए की चेयरमैन हैं। रायबरेली में भी आईटीआई फैक्ट्री है, इसी तरह नैनी में भी आईटीआई फैक्ट्री है। मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि माननीय सोनिया जी इस मामले में हस्तक्षेप करें और इन फैक्ट्रियों को चलाने का और काम दिलाने की व्यवस्था करें।

अध्यक्ष महोदय : सोनिया जी के हस्तक्षेप के लिए इस मामले को यहां उठाने की क्या जरूरत है, इसके लिए आपको कहीं और जाना चाहिए।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I associate with Shri Rewati Raman Singh. … (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: All those who want to associate, may please send slips.

… (*Interruptions*)